तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कांकेर भूमि

रायपुर, सोमवार, 17 नवंबर 2025

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

12 एसआईआर पर कांग्रेस हुई सक्रिय, जमीनी कार्यकर्ताओं...

12 परिवार को एकता के सूत्र में बांधने के लिए माताओ...

खबर संक्षेप

बाल मेले में बच्चों की दिखी सृजनात्मक प्रतिभा

दुर्गूकोंदल। माध्यमिक शाला कोड़ेकुर्सी में बाल दिवस के बाल मेले का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में टीमवर्क, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। साथ ही बच्चों की सृजनात्मकता और कल्पनाशक्ति को खुलकर अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया गया। बच्चों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अभिभावकों, ग्रामीणों और विद्यालय परिवार ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम की सराहना किया।

देशी शराब जब्त कोचिया पकड़ाया

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत ग्राम कालागांव मे छिंदगांव निवासी रंजित दुग्गा ग्राम कालागांव के प्रकाश जैन के खेत लाड़ी के सामने अवैध रूप से देशी महुआ शराब बिक्री कर रहा है और ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने जानकारी की तस्दीक करने के उपरांत घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किए। शराब पीने वाले पुलिस को देखकर भाग गए, एक व्यक्ति को पकड़े जिसका नाम पता पूछने पर रंजित दुग्गा पिता स्व. भिखुराम दुग्गा उम्र 45 वर्ष निवासी छिंदगांव पुलिस चौकी दमकसा बताया जिसके पास से एक 2 से ढाई लीटर वाला पीला रंग के जरकीन में 02 लीटर हाथ भट्टी से बना हुआ देशी महुआ शराब मिला है। आरोपी के खिलाफ धारा 34(1) (ख) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

रस्साकस्सी में दुर्गूकोदल की महिला टीम दूसरे स्थान पर

दुर्गूकोंदल। बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विकासखंड दुर्गूकोदल की सीनियर महिला वर्ग की रस्साकस्सी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला टीम में रीता वस्त्रकार, सरिता यादव बंगोमा, रानी चक्रवर्ती, सुनीता ध्रुव, इंदिरा नरेटी, पूर्णिमा, रीना, रेखा, कन्या देवी, सुनीता ध्रुव और संजीव नरेटी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम ने पूरे जोश और एकजुटता के साथ खेलते हुए अन्य मजबूत टीमों का सामना किया और कड़े मुकाबले के बाद दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया।

बोटेचांग में बाल दिवस पर बाल आनंद मेला आयोजित

भानुप्रतापपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बोटेचांग में बाल दिवस के उपलक्ष्य में भव्य बाल आनंद मेला का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधान पाठक आरके मालेकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले में बच्चों द्वारा विविध व्यंजन, हस्तनिर्मित वस्तुएँ, रचनात्मक प्रदर्शनी एवं छोटे-छोटे व्यापारिक स्टॉल लगाए गए, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता तथा उद्यमशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में ग्रामवासी भी उपस्थित हुए और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस आयोजन के माध्यम से शेष पेज 10 पर

समस्या : बायो मेडिकल वेस्ट नियम 2016 का खुला उल्लंघन, कार्रवाई की माँग

राजापारा श्मशान घाट मार्ग बना डंपिंग जोन, मेडिकल वेस्ट से संक्रमण का डर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कांकेर

स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था और मेडिकल वेस्ट प्रबंधन पर सवाल खड़े करने वाला गंभीर मामला कांकेर जिले के राजापारा क्षेत्र से सामने आया है। यहां शमसान घाट जाने वाले मार्ग के पास बड़ी मात्रा में दवाईयों की शीशियां, इंजेक्शन वायरल और अन्य मेडिकल कचरा खुले में पड़ा मिला। यह न केवल जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का खुला उल्लंघन है, बल्कि स्थानीय जनता के स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा है।

राजापारा के शमसान वाले मार्ग का उपयोग रोजना बड़ी संख्या में लोग करते हैं। अंतिम संस्कार, धार्मिक कार्य और गांव से शहर जाने के लिए भी यह रास्ता महत्वपूर्ण है। लोगों ने बताया कि दो-तीन दिनों से वे रास्ते के किनारे दवाओं की शीशियों, इंजेक्शन वायल, खाली सिरिंज और एंटीबायोटिक दवाओं के अवशेष फैले देख रहे थे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यहां रोज बच्चे भी इस रास्ते से आते-जाते हैं। खुले में इतनी खतरनाक चीजें पड़ी होंगी तो हादसा होना तय है। मुहल्लेवासियों ने शीशियों की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर भी डाल दीं। इसके बाद मामला तेजी से फैला, पर विभागीय अधिकारियों की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मुहल्लेवासियों ने बताया कि यह कचरा पिछले कई दिनों से वहीं पड़ा है। कुछ लोगों ने इसे उठाकर सुरक्षित जगह पर रखने की कोशिश की, परंतु इसके खतरनाक और संक्रमित होने के कारण किसी ने हाथ नहीं लगाया।

खास बातें

- सफाई और वैज्ञानिक निष्पादन के नाम पर सिर्फ कागजी कार्रवाई
- निजी अस्पताल पर उठाई जा रहीं उंगलियां, जाँच पर होगा खुलासा

श्मशान घाट जाने वालों के लिए भी खतरा

श्मशान घाट जाने वाले कई लोगों ने बताया कि रास्ते पर कांच की टूटी शीशियों के कारण पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। मुहल्लेवासियों ने बताया कि अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, परंतु इसकी सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी आशंका जताई कि कहीं यह मेडिकल कचरा किसी प्राइवेट क्लिनिक या अस्पताल से तो नहीं लाया गया और जिम्मेदारी से बचने के लिए यहां फेंक दिया गया। इससे यह भी संशय उठता है कि कहीं कचरा प्रबंधन एजेंसी खुद ही कचरे को लाकर इस सुनसान स्थान पर तो नहीं डाल रही है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी जगहों पर खुले में मेडिकल वेस्ट का पड़ा रहना कई तरह से नुकसानदायक है, इससे संक्रमण फैलने का खतरा, चोट और दुर्घटना का जोखिम, हवा, मिट्टी और पानी का रासायनिक प्रदूषण, वायल और सिरिंज का गलत हाथों में जाकर दुरुपयोग, जानवरों द्वारा कचरे को मुंह में लेने से बीमारियाँ फैलने का खतरा बना रहता है।

मोहल्लेवासियों की मांग कठोर कार्रवाई की जरूरत

राजापारा के निवासियों ने मांग किया है कि तत्काल जांच कमेटी बनाई जाए, मेडिकल वेस्ट के स्रोत का पता लगाया जाए, जिम्मेदार अस्पताल/एजेंसी पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई हो, श्मशान मार्ग की तुरंत सफाई कराकर सैनिटाइजेशन कराया जाए, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था की जाए। मुहल्लेवासियों ने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जिला कार्यालय में प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

बायो मेडिकल वेस्ट नियम का उल्लंघन

भारत सरकार के बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम 2016 के अनुसार दवाई की शीशियां, सिरिंज और इंजेक्शन अवशेष रेड केटेगरी वेस्ट में आते हैं। इन्हें कलर कोडेड बिन में संग्रहित करना होता है। कचरे को खुले में, सार्वजनिक स्थानों पर या जल स्रोतों के पास फेंकना सख्त अपराध है। अस्पतालों को मेडिकल वेस्ट को केवल अधिकृत सीबीडब्ल्यूटीएफ एजेंसी के माध्यम से नष्ट करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित संस्था पर 1 लाख से अधिक का जुर्माना, लाइसेंस निलंबन और कानूनी कार्रवाई संभव है। शमसान घाट मार्ग पर मिली यह मेडिकल वेस्ट की ढेरी न केवल इन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह साबित करती है कि दवाईयों के कचरे को संभालने में या तो निजी अस्पताल की गंभीर लापरवाही है या फिर कचरा उठाने वाली एजेंसी की है।

कृषि छात्रों ने मृदा परीक्षण किया एवं सीखी उर्वरता पहचान की तकनीक

कांकेर। रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सिंगारभाट में रॉवे कार्यक्रम के अंतर्गत मृदा परीक्षण (सोइल टेस्टिंग) गतिविधि सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मिट्टी के पीएच, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस तथा पोटाश का परीक्षण कर मिट्टी की उर्वरता का मूल्यांकन किया। छात्रों ने मिट्टी का नमूना ग्राम व्यासकोंगेरा के किसान कमलेश उसेंडी के खेत से एकत्र किया गया। नमूना संग्रह के दौरान विद्यार्थियों को सही तरीके से मिट्टी का नमूना लेने की तकनीक व आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। गतिविधि में यामिनी वर्मा, यागेंद्र साहू, विवेक कुमार, भुवन चौरगे तथा अन्य विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने टीम बनाकर खेत से नमूना एकत्र किया और बाद में प्रयोगशाला में विभिन्न परीक्षण पूरे किए। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय के डीन डॉ. नितिन कुमार रस्तोगी द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को ग्रामीण कृषि, मिट्टी के स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक पद्धतियों की महत्ता पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि रॉवे कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक कृषि परिस्थितियों से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है।

मृदा विज्ञान विभाग की प्राध्यापक डॉ. जागृति पटेल ने विद्यार्थियों को मृदा परीक्षण शेष पेज 10 पर

दुर्घटना ने छीनी रफ्तार, सड़क दुर्घटना में चाचा-भतीजा हुए दिव्यांग, मदद की आशा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कांकेर

- बैशाखी में कट रही जिंदगी और आर्थिक स्थिति है बदहाल

कांकेर जिले के ग्राम हेतले के सुरेश दर्रो और उनके भतीजे योगेश दर्रो सड़क दुर्घटना में एक पैर गंवाने के बाद जीवनभर के लिए दिव्यांग हो गए, लेकिन हादसे के बाद ट्रैक्टर मालिक से लेकर प्रशासन तक किसी ने उनकी सुध नहीं ली। दोनों पीड़ित अब बांस की बैसाखी के सहारे जीवन-यापन कर रहे हैं और गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। पीड़ा से भरे इन दोनों ने विधायक विक्रम उसेंडी के सामने अपनी व्यथा सुनाई, जिसके बाद विधायक ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार, 2 जुलाई को सुरेश दर्रो और उनका भतीजा योगेश मोटरसाइकिल से भानुप्रतापपुर से ग्राम हेतले लौट रहे थे। इसी दौरान नशे में धुत एक ट्रैक्टर चालक ने विपरीत दिशा से आकर उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों के दाहिने पैर बुरी तरह कुचल गए। इलाज के दौरान दोनों का एक-एक पैर काटना पड़ा। 35 वर्षीय सुरेश दर्रो विवाहित हैं और परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर है, लेकिन अब वे मजदूरी करने में पूरी तरह असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद न तो ट्रैक्टर मालिक ने मदद की और न ही प्रशासन ने कोई सहयोग दिया। आर्थिक संकट इतना गहरा है कि परिवार का गुजारा पत्नी के भरोसे चल रहा है। सुरेश ने शासन से अनुरोध किया है कि उन्हें कृत्रिम पैर और बैटरी युक्त ट्राइसिकल उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे स्वयं के कार्य कर सकें और परिवार का संबल बन सकें। कक्षा 6 वीं में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे बच्चे योगेश दर्रो का भी पैर काटना पड़ा। दुर्घटना के बाद वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गए हैं, जिसके कारण उनकी पढ़ाई भी पूरी तरह बाधित हो गई है। योगेश ने कहा कि यदि शासन उन्हें कृत्रिम पैर शेष पेज 10 पर

जामगांव का 7 दिनी एनएसएस शिविर नशामुक्ति एवं स्वच्छता पर केंद्रित रहा

कांकेर। नरहरपुर विकासखंड के ग्राम जामगांव में शासकीय नवीन महाविद्यालय नरहरपुर के द्वारा सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में नशा मुक्ति और साफ सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। आयोजित शिविर के दौरान ग्रामीणों को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें साफ सफाई के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। इसके अलावा, शिविर में संस्कृति गीत और डांस जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें ग्रामीणों को अपनी संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। एनएसएस के स्वयंसेवक ग्रामीणों को नशा मुक्ति और साफ सफाई के बारे में समझाते हुए और उन्हें अपने जीवन में इन बातों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को यह भी बताया जा रहा है कि कैसे वे अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रख सकते हैं और नशे जैसी बुराइयों से दूर रह सकते हैं। शिविर के आयोजक ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों को जागरूक करना और उन्हें अपने जीवन में सुधार लाने के लिए प्रेरित करना शेष पेज 10 पर

दलहन तिलहन बीज का किया वितरण

कांकेर। ग्राम पंचायत डुमाली में कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा रवि फसल के लिए दलहन व तिलहन बीज वितरण किया गया जिसमे से चना,अलसी सरसो, मसूर बीज वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य हिमेश्वरी साहू, डुमाली के सरपंच हृदय राम शोरी, उपसरपंच महावीर उसेंडी तथा पंच घासी राम शोरी, हेमलता शोरी, सकीता नाग, कुमार शोरी, पुनीता चंदेल एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीरबल साहू, डॉ. कोमल सिंह केराम, डॉ. सी. एल ठाकुर एवं समस्त किसान ग्रामवासी डुमाली उपस्थित हुए।

धान संग्रहण केंद्र नहीं खुलने से किसान का फूटा गुस्सा, आज से चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भानुप्रतापपुर

ग्राम बांसला और आसपास के किसानों की नवीन धान संग्रहण केंद्र खोलने की वर्षों पुरानी मांग पूरी न होने से आक्रोश फूट पड़ा है। शासन-प्रशासन की ओर से आदेश जारी न होने पर ग्रामीणों ने 16 नवंबर को बैठक कर 17 और 18 नवंबर को दो दिवसीय धरना और चक्काजाम का निर्णय लिया है।

किसान नेता ने बताया कि आज 17 और 18 नवंबर को सुबह 10 बजे से संबलपुर के मुख्य चौक, कृषि उपज मंडी कार्यालय के सामने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। चेतावनी दी गई है कि स्थिति बिगड़ने पर इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। संबलपुर लेम्पस के कार्यक्षेत्र में आने वाले बांसला, जुनवानी, चवेला, तुडगे, जातावाड़ा, उत्तामगर और जेपरा के किसान वर्षों से संग्रहण केंद्र की मांग कर रहे हैं। यह मांग पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और भूपेश बघेल के कार्यकाल में भी उठी, लेकिन हर बार प्रस्ताव लंबित रह गया।

वर्तमान में किसानों को धान बेचने 10 से 15 किमी तक दूर मंडी जाना पड़ता है, जिससे समय, धन और श्रम का भारी नुकसान होता है। किसानों के अनुसार, धान केंद्र खोलने के लिए विभागीय निरीक्षण लगातार अनुकूल मिले हैं। 8 अक्टूबर 2024 को सहकारी विभाग ने स्थल निरीक्षण कर ओके रिपोर्ट भेजी। 4 जून 2025 को खाद्य विभाग ने भी निरीक्षण कर पंचनामा सहित ओके रिपोर्ट दी। इसके बावजूद 14 नवंबर तक केंद्र खोलने का आदेश जारी न होने से किसानों में गहरा रोष है। बांसला पंचायत में केंद्र संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएँ पहले से मौजूद हैं। तीन वर्ष पूर्व खाद गोदाम का निर्माण पूर्ण हो चुका है और धान खरीदी के लिए पर्याप्त स्थान भी उपलब्ध है। सुविधाएँ होते हुए भी आदेश जारी न होने पर किसान शासन-प्रशासन को लापरवाह बता रहे हैं। किसान और युवा प्रतिनिधि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, एसडीएम, तहसीलदार सहित कई अधिकारियों को आवेदन और ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने कलेक्टर से अंतिम अनुरोध किया है कि नवीन धान संग्रहण केंद्र खोलने का आदेश तुरंत जारी किया जाए। उनका कहना है कि वर्षों पुरानी इस बुनियादी मांग की अनदेखी ही आंदोलन का कारण है।

ठंड बढ़ी तो किसान, व्यापारी, छात्र-छात्राओं की दिनचर्या बदली

मौसम का बदला मिजाज, सुबह धुंध और शाम की सर्द हवाओं से कड़ाके की ठंडी, जले अलाव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कांकेर

नवंबर माह की शुरुआत के साथ कांकेर जिले में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। वर्षा ऋतु के पूरी तरह विदा लेने के बाद अक्टूबर के आखिरी सप्ताह से ही जिले में रात को हल्की ठंडक महसूस होने लगी थी, लेकिन नवंबर के पहले पखवाड़े के भीतर मौसम में बदलाव तेजी से दिखने लगेगा। दिन में जहां गर्म धूप का एहसास होगा, वहीं सुबह और देर शाम का तापमान गिरने लगेगा। यह परिवर्तन किसानों, व्यापारियों, यात्रियों और आम जनजीवन पर अलग-अलग तरीके से असर डालेगा। नवंबर का महीना कांकेर क्षेत्र में मौसम के बदलाव का संक्रमण काल माना जाता है, जब मानसूनी नमी खत्म होकर शुष्क और ठंडी हवाओं की शुरुआत होगी। नवंबर के शुरुआती दिनों में कांकेर में न्यूनतम तापमान लगभग 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री के बीच दर्ज होगा। यह स्पष्ट संकेत देता है कि तापमान में दिन और रात के बीच का अंतर बढ़ रहा है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह शेष पेज 10 पर

आद्रता में कमी, हवा शुष्क-त्वचा और सेहत पर असर

मानसून और अक्टूबर पोस्ट-मानसून के दौरान वातावरण में नमी रहती है, लेकिन नवंबर में जैसे ही सूखी उत्तर-पूर्वी हवाएँ चलना शुरू होती हैं, हवा में नमी की मात्रा तेजी से गिरने लगती है। कांकेर में नवंबर माह में औसत आर्द्रता 45 से 60 प्रतिशत के बीच दर्ज की जाती है, जो सितंबर-अक्टूबर के मुकाबले काफी कम है। नमी घटने का सीधा प्रभाव लोगों की त्वचा और होंठों पर दिखने लगा है। डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में पानी की मात्रा शरीर में कम होने लगती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। हवा में धूल की मात्रा भी इस समय बढ़ जाती है, जिससे एलर्जी और खांसी-जुकाम की शिकायतें बढ़ती हैं।

कांकेर में आने वाले पाँच दिनों का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार 17 नवंबर को अधिकतम 29 डिग्री सेंटीग्रेड एवं न्यूनतम 10 डिग्री सेंटीग्रेड, मंगलवार 18 नवंबर को 30 डिग्री सेंटीग्रेड एवं न्यूनतम 11 डिग्री सेंटीग्रेड, बुधवार 19 नवंबरको अधिकतम 31 डिग्री सेंटीग्रेड एवं न्यूनतम 12 डिग्री सेंटीग्रेड, गुरुवार 20 नवंबर को अधिकतम 31 डिग्री सेंटीग्रेड एवं न्यूनतम 12 डिग्री सेंटीग्रेड, शुक्रवार 21 नवंबर को अधिकतम 32 डिग्री सेंटीग्रेड एवं न्यूनतम 14 डिग्री सेंटीग्रेड रहेगा।

कोकानपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोरर

ग्राम पंचायत कोकानपुर में आदिवासी, वनवासी समाज के अस्मिता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले महान क्रांतिकारी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम उनकी छाया चित्र पर फूल, माला व दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। ग्राम पटेल एवं भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष माखन मंडावी ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी, वनवासी समाज के संस्कृति व परंपराओं के संरक्षण, अधिकारों की रक्षा की खातिर अंग्रेजी हुकूमत से डट कर मुकाबला किया। उनकी पराक्रम और देशभक्ति का जज्बा आज भी हर दिल में क्रांति की ज्वाला जलाए रखता है। आज उनकी 150वीं जयंती पर हम सभी उन्हें कोटि कोटि नमन करते हैं। कार्यक्रम में सरपंच कली राम उयके, उपसरपंच योगीता राघवेंद्र शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

हार्वेस्टर की चपेट में आने से युवक घायल

पखांजूर। कापसी क्षेत्र के ग्राम पीव्ही 2 में धान कटाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। हार्वेस्टर की चपेट में आने से युवक लोकनाथ दास गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार लोकनाथ दास हार्वेस्टर के पीछे खड़ा था, उसी समय धान काट रही मशीन अचानक पीछे आ गई और वह चपेट में आ गया। दुर्घटना में उसकी टांग बुरी तरह टूट गई। घायल को तत्काल पखांजूर के निजी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए धमतरी रिफर कर दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में धान कटाई के मौसम में बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में हार्वेस्टर मशीनें आती हैं, मगर इनके पास आवश्यक वैध कागजात नहीं होते। ऐसे में दुर्घटना या मौत जैसी स्थिति में किसानों व पीड़ित परिवारों को मुआवजा और आर्थिक सहायता के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से हार्वेस्टर मशीनों की जांच और आवश्यक दस्तावेजों की अनिवार्यता सुनिश्चित करने की मांग की है।

सेजेस दुधावा में बायोमेट्रिक शिविर का द्वितीय चरण पूरा

दुधावा। सेजेस दुधावा में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट के लिए आयोजित विशेष शिविर का द्वितीय चरण 13 से 16 नवम्बर तक आयोजित किया गया। इस शिविर में उन विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा रहा है, जिनका पिछले पाँच वर्षों से अधिक समय से अद्यतन नहीं हुआ है। गौरतलब है कि शिविर का प्रथम चरण 6 से 8 नवम्बर तक सफलतापूर्वक हुआ, जिसमें विभिन्न संकुलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों के आपार आईडी, आधार आईडी एवं यू-डाइस डेटा के अद्यतन से भविष्य में शैक्षणिक अभिलेख, योजनाएँ एवं छात्रवृत्ति संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक बताई गई है। शिविर का संचालन नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य गोवर्धन रामटेके के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों की जानकारी अद्यतन होने के साथ-साथ उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सकेगा।

इंटीग्रेटेड योग विज्ञान शिविर का शुभारंभ

गीदम। पतंजलि योग समिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय इंटीग्रेटेड योग विज्ञान शिविर का शुभारंभ नगरवासियों की उपस्थिति में भारत माता की आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर पूरा गीदम नगर योगमय हो उठा। यह शिविर 16 नवंबर से 20 नवंबर तक प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7:00 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय गीदम प्रांगण में आयोजित होगा।

विधायक ने 66.25 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

रथ बनाने वाले ग्रामीणों का शॉल, श्रीफल से सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

वर्षों से लंबित मांग को विधायक ने किया पूरा,शेड निर्माण से मंदिर के पुजारी उत्साहित

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने आज शहरवासियों को 66.25 लाख रुपए के विकास कार्यो की सौगात देते हुए मावली माता मंदिर परिसर में शेड निर्माण एवं शहर के दो प्रमुख स्थानों पर पुलिया निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मावली माता मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई जिसमें विधायक सहित महापौर संजय पांडे एवं जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की उन्नति और सुख-समृद्धि की कामना की। वर्षों से लंबित मांग को पूरा करते हुए विधायक निधि से 10 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण कार्य आरंभ किया गया। इसी क्रम में शहर में जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए सिरहासार के सामने 31.25 लाख तथा दामोदर पेट्रोल पंप के पीछे 25 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

- मावली माता मंदिर में विधायक निधि से शेड निर्माण,शहर में दो पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ

मावली माता मंदिर प्रांगण में किरण देव ने कहा कि जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में चौमुखी विकास लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 162 देवगुड़ी,माता गुड़ी एवं मंदिरों में उन्नयन व विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। आपदा प्रबंधन मद से प्रारंभ किए गए पुलिया निर्माण कार्यों से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। महापौर संजय पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जगदलपुर में विकास नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा जनमानस की मांगों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।

ये रहे उपस्थित : इस दौरान निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही,योगेन्द्र पांडे,संग्राम सिंह,सुरेश गुप्ता,लक्ष्मण झा,संजय विश्वकर्मा, त्रिवेणी रंधारी,कलावती कसेर,पार्षद कुबेर देवांगन,आलोक अवस्थी,उर्मिला यादव, गायत्री बघेल,आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा,विद्याशरण तिवारी,पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी,प्रेमानंद ठाकुर,अभय दीक्षित,योगेश शुक्ला,संतोष बाजपेयी,विक्रम सिंह ठाकुर तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

रथ निर्माण करने वालों की सुध ली

दशहरा महापर्व के दौरान तीन मंजिला काष्ठ का रथ निर्माण करने वाले परम्परागत कारीगरों का विधायक ने सम्मान किया। विधायक के ज्येष्ठ भ्राता कुमार जयदेव के पहल पर विधायक ने कारीगरों को शॉल, श्रीफल और फूल माला पहनाकर सम्मान किया। साथ ही मावली माता मंदिर के पुजारी एवं समाज के प्रमुखजनों का सम्मान किया गया। मंच संचालन कर रहे योगेश ठाकुर ने बताया कि विधायक के नेतृत्व में बस्तर दशहरा,गोंचा महापर्व,फागुन मंडई,भूमिगत विद्युत लाइन,चित्रकूट महोत्सव सहित कई पारंपरिक आयोजनों के लिए अतिरिक्त राशि स्वीकृत कराई गई है।

बाल दिवस पर कुरना के एफएलएन मेले में शिक्षा व मनोरंजन का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरहरपुर

विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरना में बाल दिवस के अवसर पर शिक्षा और मनोरंजन का सुंदर संगम देखने को मिला। प्राथमिक शाला आवासपारा एवं प्राथमिक शाला के संयुक्त तत्वाधान में एफएलएन मेला का आयोजन किया गया। मेले में अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की रचनात्मकता देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को खेल, गतिविधियों और व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से सिखाना रहा। इस अवसर पर बालवाड़ी और प्राथमिक शाला के बच्चों ने विभिन्न शैक्षणिक स्टॉलों में भाग लेकर भाषा, गणित, विज्ञान और सामान्य ज्ञान की अवधारणाओं को सीखा। मेले में बच्चों ने रंग-बिरंगे चार्ट, गणितीय खेल, शब्द निर्माण गतिविधियाँ, गिनती पहेलियाँ और अक्षर पहचान जैसे कई रोचक कार्य किए। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में सीखने की उत्सुकता और आत्मविश्वास झलक रहा था। इस अवसर पर जिला कार्यालय से एसीपी दिनेश नाग ने बच्चों और शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि एफएलएन कार्यक्रम बच्चों की नींव मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। यह पहल बच्चों को खेल-खेल में सीखने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य अमृत मौर्य ने बाल दिवस के अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए चॉकलेट वितरण किया और उन्हें स्वच्छता, अनुशासन और शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरणादायी संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानपाठक मुरलीधर गंजीर ने बच्चों और अभिभावकों के लिए न्योता भोजन की व्यवस्था की। इस आयोजन में बच्चे, शिक्षक और पालकगण सम्मिलित हुए। भोजन के पश्चात बच्चों में उल्लास और उमंग का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में प्रधानपाठक मुरलीधर गंजीर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, पालकों और बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं उनकी मुस्कान ही हमारे प्रयासों की सबसे बड़ी सफलता है।

धूमधाम से मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

गीदम। वीरांगना मासक देवी नाग शासकीय आदर्श महाविद्यालय जावंगा गीदम में प्राचार्य डॉ विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विजय बेसरा थे। उन्होंने जनजाति समाज के लोकनायको एवं रीति रिवाज परंपरा के बारे में विस्तार से बताया।

बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी समारोह में आज शामिल होंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- विधायक ने लिया तैयारियों का जायजा

जगतू माहरा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बस्तर हाई स्कूल) में सोमवार को होने वाले शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। तैयारियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने स्थल निरीक्षण कर अवलोकन किया। उन्होंने समारोह में होने वाली व्यवस्थाओं, मंच, अतिथि सत्कार तथा विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से संबंधित तैयारियों की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री समेत मंत्रीगण, सांसद, विधायक,जनप्रतिनिधि,भूतपूर्व छात्र तथा बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे। व्यवस्थाओं को भव्य बनाने सारे लोग जुटे है। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल,राकेश तिवारी,प्राचार्य बी एस रामकुमार,राकेश तिवारी, अजय लुनिया, अखिलेश शुक्ला सहित अन्य पूर्व छात्र एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

- बस्तर में तीन एकलव्य विद्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के डेडियापाड़ा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जगदलपुर शहर के सिटी ग्राउंड में किया गया। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में तीन नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। लगभग चार करोड़ पचास लाख की लागत से ये एक-एक विद्यालय बस्तर के दूरस्थ विकासखंड लोहांडीगुड़ा, बास्तानार और दरभा में स्थापित किए गए हैं जिनका उद्देश्य क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली, आवासीय शिक्षा प्रदान करना है।

सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स स्पर्धा में एथलीटों ने रचा नया कीर्तिमान

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के निर्देशानुसार उत्तर बस्तर सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय कांकेर में 14 से 15 नवंबर तक किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय भानुप्रतापपुर के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

महाविद्यालय की महिला टीम ने ओवरऑल द्वितीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। महिला वर्ग की उपलब्धियाँ रेखा उसेंडी डिस्कस थ्रो स्वर्ण, जैवलिन थ्रो स्वर्ण, शॉटपुट कांस्य, पेमीन नेताम ट्रिपल जंप स्वर्ण, हाई जंप कांस्य, अमिला 5000 मीटर दौड़ रजत, दुर्गेश्वरी 800 मीटर कांस्य, 1500 मीटर कांस्य, ज्योति बोगा 100 मीटर कांस्य, डिस्कस थ्रो कांस्य, रितिका ट्रिपल जंप कांस्य और पुरुष खिलाड़ियों ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए कई मुकाम हासिल किए। पुरुष वर्ग की उपलब्धियाँ दुर्गा प्रसाद ट्रिपल जंप स्वर्ण, डिस्कस थ्रो रजत, अजय कृष्णा गोटा डिस्कस थ्रो स्वर्ण, मनोहर लाल हाई जंप कांस्य, ट्रिपल जंप कांस्य रहा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रश्मि सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की सहभागिता एवं टीम प्रबंधन क्रीड़ा अधिकारी चेतन कुमार श्रीवास के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महाविद्यालय परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

चेमल में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया

दुर्गुकोदल। दुर्गुकोंदल के ग्राम चेमल में प्रस्तावित विशाल मंदिर निर्माण परियोजना का भूमि पूजन गांव के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। स्थानीय ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही धार्मिक एवं सामाजिक आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने इस भव्य मंदिर के निर्माण का जिम्मा उठाया है। ग्रामीणों द्वारा मॉडल और नक्शे का अवलोकन किया गया, जिसके बाद सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति मिलते ही आज भूमिपूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों ने एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में देखा। भूमिपूजन के बाद ग्रामीणों ने मंदिर निर्माण की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि ग्राम समाज को एकजुट करने वाले सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों का प्रमुख स्थल भी बनेगा। लोगों ने भविष्य में मंदिर परिसर को एक आदर्श धार्मिक स्थल के रूप में विकसित होते देखने की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम में देव लाल पटेल, राम देव तिरसुनिया, जवाहर पटेल, गंगाराम राणा, तामेश्वर पटेल, पद्दीप पटेल, राजकुमार बढाई, दिनेश विश्वकर्मा, धनलाल चक्रधारी, शैलेन्द्र पटेल मौजूद रहे।

पेज 09 के शेष...

कृषि छात्रों ने...

की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन करवाया। उन्होंने पीएच मीटर के उपयोग, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश की उपलब्ध मात्रा ज्ञात करने की विधियाँ तथा इनके प्रभाव के बारे में विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों ने परीक्षण पूरा कर मिट्टी की रिपोर्ट तैयार की और इस गतिविधि को अत्यंत उपयोगी, व्यावहारिक तथा ज्ञानवर्धक बताया। महाविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी रॉवे कार्यक्रम के तहत ऐसे प्रायोगिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन की घोषणा की।

दुर्घटना ने छीनी...

और बैटरी चालित ट्राइसिकल उपलब्ध कराए, तो वे दोबारा स्कूल जाकर पढ़ाई जारी रख सकेंगे।

पीड़ित चाचा-भतीजा ने बताया कि बांस की बैसाखी से चलना बेहद कठिन हो रहा है और दर्द भी बढ़ रहा है। वे शासन और प्रशासन से न्यायपूर्ण सहायता की उम्मीद लगाए बैठे हैं। विधायक विक्रम उसेंडी ने दोनों की स्थिति सुनकर हर संभव सरकारी मदद दिलाने का भरोसा दिया है।

जामगांव का...

है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक ग्रामीणों के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें नशा मुक्ति और साफ सफाई के महत्व के बारे में समझाएंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरपंच भगवती उईके, उपसरपंच सुरेश शोरी, नरेंद्र नाग, संजय शोरी, संग्राम चौहान, राजकुमार सिन्हा, गौरव शोरी, रविशंकर सिन्हा, सरस उपाध्याय, गौकारण सिन्हा उपस्थित रहे।

बोटेचांग में बाल...

बच्चों को व्यापार, लेन-देन, प्रबंधन, सहयोग एवं व्यवहारिक जीवन कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ। विद्यालय परिवार ने मेले की सफलता के लिए सभी अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त किया।

मौसम का बदला...

फर्क आगे और बढ़ेगा तथा नवंबर के अंतिम सप्ताह तक न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री तक पहुंच सकता है। सुबह के समय हल्की सर्द हवा चलने से लोगों को ठंडक महसूस होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह खेतों की मेड़ पर हल्की धुंध, पेड़ों की पत्तियों पर ओस की बूंदें और आसमान में हल्का कोहरा दिखने लगा है। हालांकि, यह कोहरा उतना घना नहीं होता जितना दिसंबर-जनवरी में दिखाई देता है। यह मौसम परिवर्तन की शुरुआती निशानी है। दोपहर के समय अब भी हल्की गर्माहट बनी हुई है। सूरज की किरणें तीखी नहीं हैं, लेकिन धूप में बैठने से गर्मी महसूस होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नवंबर का यह माह साल के सबसे आरामदेह महीनों में माना जाता है, क्योंकि दिन न तो बहुत गर्म होते हैं और न ही रातें बहुत ठंडी।

पीएम ने दुर्गूकोंदल एकलव्य आवासीय विद्यालय का किया वर्चुअली लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

जनजाति गौरव दिवस के अवसर एवं भगवान बिरसा मुंडा के 150 वीं जयंती के अवसर पर विकासखंड दुर्गुकोंदल के अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का प्रधानमंत्री ने वर्चुअली लोकार्पण किया। भारत सरकार द्वारा संचालित यह विद्यालय आदिवासी छात्रों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवासीय सुविधा और समग्र विकास के अवसर प्रदान करेगा। अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर दीप प्रज्ववलित, माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसके पश्चात सभी अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए विकास राजु नायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का मुख्य उद्देश्य जनजातीय बच्चों को गुणवत्तापूर्वक शिक्षा प्रदाय करना, प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत करना एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना है। आज यह गौरवान्वित पल के हम सब साक्षी बन रहें है जब हमारे क्षेत्र के आदिवासी छात्र छात्राओं को नई शिक्षा नीति के साथ साथ केंद्रीय शिक्षा के साथ जोड़ने का एक पल है। यह अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना का है कि ग्रामीण अंचलो छात्र जो दूर दूर तक पढ़ाई करने नहीं जा पाते उन तक किस प्रकार के हम शिक्षा पहुँचा सकते है तब उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रत्येक विकासखंडो में एक विद्यालय की शुरुआत की है, जिससे हमारे क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा लेने में कोई कठिनाई नहीं होगी। जिला सभापति देवेंद्र टेकाम ने कहा कि शिक्षा मानव जीवन के हर पहलू पर सकारात्मक प्रभाव डालती है, जिससे हमारी सोच और दृष्टिकोण परिवर्तित होते हैं।

आयोजित कार्यक्रम में सरपंच भंडारडिग्गी रमुला नरेटी, लच्छू नरेटी, देवलाल नरेटी, जनपद अध्यक्ष गोपी बढ़ाई, जनपद उपाध्यक्ष आनंद तेता, सविता उइके, अमृत कोटिंगला, अध्यक्ष सरपंच संघ शकुंतला नरेटी, विजय पटेल, तुलसी मतलामी, मुकेश नरेटी, शिवलाल ध्रुव, रजलाल आचला, शिरो कोमरे, संतो दुग्गा, बिदेसिंह कल्लो, रामचंद्र कल्लो, अशोक जैन, श्रीराम बघेल, नागसाय तुलावी, धरम मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेन्द्र बंजारे, एबीईओ अंजनी मंडावी, हरिशंकर उयके, श्रीपतिदत्ता, सुप्रिया मेघा कोमरे, दीप्ति शर्मा, उपासना यादव, रोशन कुमार, गजेंद्र कुमार, दीपक जैन एवं विद्यार्थियों के पालक गण, ग्राम गायता, पटेल, ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

धान खरीदी करने दिया गया प्रशिक्षण

बीजापुर। धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जिला कार्यालय के इन्द्रावती सभाकक्ष में सहायक समिति प्रबंधकों एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रबंधकों और ऑपरेटरों को धान खरीदी से संबंधित सभी तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्हें यह निर्देशित किया गया कि उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों के धान की नमी जांच कर टोकन जारी करें, धान को फड़ में प्रवेश देने के बाद गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य रूप से करें तथा खरीदी की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन दर्ज करें।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का किया आकलन

दंतेवाड़ा। कलेक्टर कुणाल दुद्दावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर मैलावाड़ा तथा बहुत बड़े बचेली में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए विशेषज्ञ दल द्वारा विस्तृत मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों, प्रक्रियाओं और रोगी संतुष्टि का परीक्षण करना रहा। टीम ने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, प्रसूति व शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, दवा उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण, आपातकालीन तैयारी, स्वच्छता व्यवस्था, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता जैसे सभी प्रमुख बिंदुओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया।

निधन

शारदा आचार्य

जगदलपुर। प्रातः 7 बजे धरमपुरा निवासी शारदा आचार्य 72 वर्ष का हार्ट अटैक से निधन हो गया । परिजन के अनुसार विगत एक माह से उनका इलाज अपोलो अस्पताल हैदराबाद से चल रहा था। उनकी अंतिम यात्रा कल 17 नवंबर को प्रातः 9 बजे धरमपुरा निवास से निकलेगी।

हड़ताल के बावजूद पहले दिन 6 उपार्जन केंद्रों से 98 क्विंटल धान की खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

खरीफ विपणन वर्ष के लिए जिले में धान खरीदी का शुभारंभ सफलतापूर्वक हो गया। जहां पहले ही दिन 6 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 98 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज की गई। जिले में कुल 30 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं और 24 सहकारी समितियां इस प्रक्रिया में शामिल हैं।

सहकारी समितियों के कर्मचारी और ऑपरेटर हड़ताल पर होने के बावजूद, जिला प्रशासन ने धान खरीदी प्रक्रिया को बाधित नहीं होने दिया। प्रशासन ने खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, सहकारी संस्थाओं तथा अन्य विभागों के कर्मचारियों को उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रभारी के रूप में नियुक्त कर खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया। सभी उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त बारदाना उपलब्ध कराया गया है जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन ने आवश्यक संसाधन, स्टाफ और व्यवस्था सुनिश्चित की है ताकि खरीदी प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो और किसान आसानी से अपना धान बेच सकें।

प्रशासन ने बताया है कि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और खरीदी केंद्रों की निगरानी निरंतर जारी रहेगी ताकि व्यवस्था पूरी तरह सुचारू बनी रहे।

खरीदी के लिए 30 उपार्जन केंद्र किए गए स्थापित

धान खरीदी के दौरान अवकाश पर रोक

बीजापुर । छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफ विपणन के लिए धान खरीदी व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने हेतु जारी आदेश अब बीजापुर जिले में भी प्रभावी हो गया है। राज्य शासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि 15 नवंबर से 31 जनवरी तक चलने वाली धान खरीदी अवधि में संविदा कर्मचारियों को किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। गृह विभाग, सी-अनुभाग द्वारा जारी इस महत्वपूर्ण आदेश में कहा गया है कि धान खरीदी जैसे संवेदनशील और प्राथमिकता वाले कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसलिए इस अवधि में कर्मचारियों द्वारा अवकाश लेने या कार्य से इंकार करने की अनुमति नहीं होगी।

उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया जन जातीय गौरव दिवस

जनजातीय वीर वीरांगनाओं के शौर्य और बलिदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा देश : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

जिले में जन जातीय गौरव दिवस आज अत्यंत उत्साह, सम्मान और गरिमामय वातावरण में जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण, मेंढ़क डोबरा परिसर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक चैतराम अटामी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, नगर पालिका एवं जनपद पंचायत पदाधिकारियों तथा जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

- वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिले को दी दो एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की सौगात
- जननायक बिरसा मुंडा का जीवन संदेश भावी पीढ़ी के लिए अनुकरणीय

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जन जातीय गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए दिए गए वर्चुअल संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी देशवासियों एवं विशेष रूप से जनजातीय समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जिला मुख्यालय में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, ग्रामीणों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को अत्यंत उत्साह के साथ सुना। इसी वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गीदम एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुआकोंडा का शिलान्यास भी किया, जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम के अवसर पर विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि आज हम सभी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर जन जातीय गौरव दिवस बड़े ही सम्मान और गर्व के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि पूरे भारत और विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक युग, एक चेतना और एक क्रांति थे। बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वह संघर्ष किया, जिसने उन्हें धरती आबा धरती के पिता का स्थान दिया।

विधायक ने कहा कि बिरसा मुंडा ने शोषण और अन्याय के विरुद्ध आदिवासी समाज को संगठित किया, अपने असाधारण नेतृत्व से 'उलगुलान' अर्थात महान क्रांति का बिगुल फूंका और गरीबों, किसानों एवं वनवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश की आजादी और सामाजिक न्याय की लड़ाई में अनेक क्रांतिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और उनमें बिरसा मुंडा का स्थान सर्वोपरि है। महिला आयोग की सदस्य ओजस्वी मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी एवं उपाध्यक्ष अरविंद कुजांम द्वारा भी जननायक भगवान बिरसा मुंडा के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए भावी पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया गया।

इस अवसर पर विविध जनजातीय लोक नृत्यों कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी गईं। जिले के विभिन्न विकास खंडों से आए नृत्य दलों और स्कूली छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर आकर्षक प्रदर्शन कर कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। लोक नृत्यों प्रस्तुतियों के मूल्यांकन उपरांत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों का चयन किया गया, जिन्हें आगामी अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय जन जातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। इस गरिमामय अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, अन्य जनप्रतिनिधि कमला विनय नाग, संतोष गुप्ता, सर्व समाज प्रमुख, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, आदिवासी आयुक्त राजीव नाग, सहित जिले के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिक उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय

कलेक्टर कुणाल दुद्दावत ने कहा कि "आज हम सभी प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुन रहे थे, जिसमें उन्होंने आदिवासी समाज के अमूल्य योगदान, संस्कृति और परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। हमारे देश के इतिहास को समृद्ध बनाने में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय है और इस गौरव को सम्मान देने के लिए ही यह दिवस समर्पित है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की व्यवस्था देश में सर्वश्रेष्ठः साय

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा में कहा धान खरीदी की प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के सुचारू रूप से चलेगी।

पूरे देश में सबसे अच्छी व्यवस्था धान खरीदी की छत्तीसगढ़ में है। इसमें किसी प्रकार का अवरोध नहीं होगा। आज से पूरे राज्य में धान खरीदी का शुभारंभ हो रहा है। हड़ताल भी समाप्त होगी और किसानों को धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

- किसी भी किसान को नहीं होगी दिक्कत

उन्होंने कहा कि यह वह दिन है जब आदिवासी समुदाय की परंपराओं, योगदान और गौरव की स्मृतियों को पूरे देश में सम्मान मिलता है। 20 नवंबर को इस समारोह का राज्य स्तरीय समापन अंबिकापुर, सरगुजा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से होगा।

मुख्यमंत्री कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए समर्पित है। छत्तीसगढ़ के 6000 से अधिक गांव विशेष योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया देश में 4000 किमी सड़क बन रही है, जिसमें 2000 किमी से अधिक छत्तीसगढ़ में है। 32,000 आवास स्वीकृत हैं और दो लाख रुपए का अनुदान दिया जा रहा है। सरकार खेल, पर्यटन, संस्कृति और तेंदूपत्ता मूल्य वृद्धि जैसे क्षेत्रों से भी जनजातीय समुदाय को जोड़ने प्रयासरत है।

सरकार अन्नदाताओं की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध : केदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले के पल्ली धान खरीदी केंद्र में वन मंत्री केदार कश्यप ने धान खरीदी का पूजा अर्चना कर औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान किसान भाईयों को शुभकामनाएं दी। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने केंद्र में किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं तौल कांटा, भंडारण व्यवस्था, किसान पंजीयन, गुणवत्ता परीक्षण, पंजीकृत किसानों की बारदाना की उपलब्धता और सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को बिना किसी परेशानी के धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी कराई जाए तथा पारदर्शिता बनाए रखी जाए। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन सरकार अन्नदाताओं की समृद्धि हेतु प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों को उनके धान फसल उत्पादन के विक्रय करने के टोकन की तिथि में उपस्थित होकर केंद्र में धान को बेचने की अपील की। केंद्र के संबंधित अधिकारियों को धान बेचने वाले किसानों की सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ केएस ध्रुव, जिला खाद्य अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी तथा अन्य उपस्थित रहे।

- वन मंत्री ने पल्ली धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण और शुभारंभ

सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी ने किया विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण

बस्तर। सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार तिवारी ने बस्तर ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण कर बैठक लिया। सालेमेटा में संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक अजय नायक,व डमरूधर पन्त की उपस्थिति में समस्त उपस्थित संकुल स्तर के शिक्षक एवम संकुल समन्वयकों की बैठक लिया गया। जिसमे अपार आई डी की अतिशीघ्र प्रगति के निर्देश,जाति प्रमाणपत्र की प्रगति,आधार शिविर पर चर्चा,हाई स्कूल एवम हायर सेकेंड्री स्कूल के तिमाही परीक्षा के मूल्यांकन पर चर्चा, मध्यान्ह भोजन के गुणवत्ता की स्तिथि, विनोबा ऐप पर प्रतिदिन उपस्थिति, शिक्षकों की समय पर शाला में उपस्थिति, शिक्षक दैनिदिनी का प्रतिदिन संधारण आदि के दिशा निर्देश दिया गया ।इसके पश्चात अगले क्रम में संकुल सोरगांव,सालेमेटा व पखना कोंगरा संकुल की विभिन्न प्राथमिक,माध्यमिक व हाइस्कूल व हायर सेकंडरी शालाओ में भी दस्तक देते हुए गहन निरीक्षण किया गया। जिसमें बच्चों की नियमित उपस्थिति,शिक्षक की नियमित उपस्थिति,डेली डायरी का नियमित संधारण, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता,आधार सुधार की कार्यवाही व अपार आई डी के पंजीयन की गहन समीक्षा भी की गई।

सहायक पर्यवेक्षण कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने में होता है मददगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

महिला बाल विकास विभाग, यूनिसेफ और विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसायटी के तकनीकी सहयोग से छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में परवरिश के चैंपियन कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पर पालकों की संवेदनशील परवरिश पर समझ विकसित करना है। इसी परिप्रेक्षेय में यूनिसेफ और महिला बाल विकास विभाग द्वारा जिला पंचायत सभा कक्ष जगदलपुर में सभी जिलों के डीपीओ व सीडीपीओ का परवरिश के चैम्पियन एवं सहायक पर्यवेक्षण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूनिसेफ की कंसल्टेंट गार्गी परदेशी, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसायटी के राज्य प्रोग्राम मैनेजर रविंद्र यादव, जिला समन्वयकगण अंजली बघेल, योगेन्द्र जैन, जगत मल्होत्रा और मोहन कोड़ी सहित सभी जिलों के डीपीओ व सीडीपीओ उपस्थित रहे।

- परवरिश के चैम्पियन कार्यक्रम के तहत संवेदनशील पालकत्व पर प्रशिक्षण

इस अवसर पर यूनिसेफ से गार्गी परदेशी ने कहा कि माता-पिता बच्चे के पहले शिक्षक होते हैं। संवेदनशील पालकत्व सिखाता कि माता पिता व परिवार के सभी सदस्यों को खासकर शुरुआती कुछ वर्षों में बच्चें के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है। बच्चों के समग्र विकास के लिए पालकों को संवेदनशील एवं जागरुक बनाने की पहल बेहद जरुरी है।

उन्होंने बताया की किसी भी कार्यक्रम की सफलता में सहायक पर्यवेक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सहायक पर्यवेक्षण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में कार्यरत अमले के व्यवहार परिवर्तन और संवेदनशील बनाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है, कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार साबित होता है । यह एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में बढ़ने में सहयोग करता है। इसलिए सहायक पर्यवेक्षण जैसे नवीन विषय पर पूरी समझ बनाकर आगे बढ़ने की जरुरत है।

अंत में विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाईटी से राज्य समन्वयक रविन्द्र यादव ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण में साझा की गई जानकारी निश्चित रूप से कार्यक्रम के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण होगा।

धान खरीदी प्रक्रिया को किसानों के हित में पारदर्शी सुगम बनाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध : अटामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री की किसान हितैषी मंशा के अनुरूप आज से धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले के मुख्य उपार्जन केंद्र दंतेवाड़ा में विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर ओर अन्य अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस वर्ष धान खरीदी को और अधिक पारदर्शी, सुगम और तकनीकी रूप से मजबूत बनाया गया है।

- धान उपार्जन केन्द्रों का विधायक और कलेक्टर ने किया निरीक्षण

इस क्रम में कृषकों को संबोधित करते हुए विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि राज्य सरकार पंजीकृत किसानों से धान खरीदने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और इसके लिए शासन द्वारा सभी तैयारियां पहले से कर ली गई हैं। उन्होंने किसानों से धान बिक्री हेतु पूरी तैयारी कर साफ-सुथरा, अच्छी गुणवत्ता वाला धान उपार्जन केंद्रों तक लाने की अपील की, ताकि गांव और जिले का नाम गौरवान्वित हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खराब, धूल-मिट्टी मिश्रित धान उपार्जन केंद्रों में बिल्कुल न लाया जाए।

जिले के सभी 15 उपार्जन केंद्रों में छाया, पानी, शौचालय और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश प्रशासन को दिए गए हैं, ताकि किसी भी किसान को असुविधा न हो। इस वर्ष दंतेवाड़ा में 13,000 से अधिक किसानों ने धान खरीदी हेतु पंजीयन कराया है, जिनके लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से धान खरीदी बायोमेट्रिक पद्धति से की जाएगी ताकि पारदर्शिता बनी रहे। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए 'टोकन तुंहर हाथ' एप के माध्यम से टोकन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार पतला धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल, मोटा धान 2369 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा, तथा कृषक सहायता राशि जोड़कर धान खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदा जाएगा। धान खरीदी के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है और किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए संपूर्ण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारी सहित कृषकगण उपस्थित थे।

एनएमडीसी डीएवी पॉलीटेक्निक में मनाया गया जनजाति गौरव दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

एनएमडीसी डीएवी पॉलीटेक्निक द्वारा जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व जनजातीय महानायक के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। राज्यगीत के गान के साथ इस कार्यक्रम को शुरू किया गया। कार्यशाला अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे रंगोली, संगोष्ठी, चित्रकला, भाषण आदि। समन्वयक एवम सह समन्वयक द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य बताया गया। प्राचार्य डॉ मुकेश ठाकुर द्वारा जनजाति समाज की कई ऐतिहासिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक घटनाओं से परिचय कराया गया। कई जनजातीय वीरों तथा वीरांगनाओं की याद दिलाते हुए उनके यशगान कराया गया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बोमडा राम कवासी सर्व संघ प्रमुख बस्तर संभाग द्वारा आदिवासी समाज की ऐतिहासिक तथा पारंपरिक बारीकियों पर प्रकाश डाला गया। कवासी ने जावांगा एजुकेशन सिटी के निर्माण से संबंधित बातों को साझा किए, जिसमे मुख्य रूप से सिंगापुर दौरे से मिले जानकारी के अनुरूप जावांगा को बनाना चाहा। विदेश दौरे कर आदिवासी समुदाय से जुड़ने, बस्तर की परंपरा को विदेशों से साझा करने की बात कही। विदेश दौरों में कवासी ने मलेशिया, वियतनाम व फ्रांस के अनुभव को विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को एक बार हार कर पुनः खड़े होने। जीत के लिये अडिग रहने आदिवासी परंपरा को जीवित रखने जैसे कई मूल्यों को बताया।

खबर संक्षेप

जनजातीय गौरव दिवस पर हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

कोरर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कोरर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें रासेयो के स्वयं सेवकों रानी लक्ष्मीबाई दल एवं विद्यालय के छात्र छात्राओं ने द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सर्वप्रथम रंगोली के माध्यम से जनजातीय इतिहास एवं समुदाय के वेषभूषा, आभुषणों, शस्त्र को प्रदर्शित करने वाले रंगोली ने सबका मन मोह लिया। तत्पश्चात महात्मा गांधी दल के प्रतिभागीयों ने प्रश्नोत्तरी एवं संगोष्ठी का आयोजन कर जनजातीय क्रांतिकारियो के योगदान एवं इतिहास पर चर्चा करते हुए विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य शिवराज टांडिया, व्याख्याता जनक राम कोमरा, एनएसएस प्रभारी डेविड गिलहरे, रंजीत लहरें, भारती देवांगन, हुमा पिस्दा, तनुजा कोसमा, यामिनी मरकाम, मोनिका जुर्री सहित समस्त स्टाफ का योगदान रहा।

पं. प्रदीप मिश्रा का शिव महापुराण कथा 26 से

भानुप्रतापपुर। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक भानुप्रतापपुर के कच्चे में रहेंगे। इन सात दिनों तक वे अपने श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का मंगलमय वाचन करेंगे। यह विराट धार्मिक आयोजन कच्चे के समस्त ग्रामवासियों के अथक प्रयासों द्वारा किया जा रहा है। शिव हैं शक्ति, शिव हैं भक्ति, प्रदीप मिश्रा के वचनों में है अद्भुत अनुरक्ति। हर कंठ में गूँजेगी शिवाय नमस्तुभ्यम की धुन, जब सात दिन बरसेगी शिव भक्ति की निर्मल सगुण। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र की जनता में असीम उत्साह देखा जा रहा है। आमतौर पर इस प्रकार के भव्य धार्मिक आयोजन बड़े महानगरों में होते थे, लेकिन आज यह सौभाग्य हमारे अपने क्षेत्र को प्राप्त हो रहा है।

निधन

मेहरसिंह दुग्गा

दुर्गुकोंदल। विकासखण्ड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम डुवा निवासी स्व. मेहरसिंह दुग्गा का आकस्मिक निधन हो गया, वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। स्व. मेहरसिंह दुग्गा ग्राम पंचायत तरहुल के पूर्व सरपंच, जनपद के उपाध्यक्ष, गोंडवाना समाज ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा गोंडवाना समाज के संभागीय उपाध्यक्ष के पदों पर सेवा दे चुके थे।

उत्तम सिन्हा

दुर्गुकोंदल। विकासखंड के ग्राम हाहालददी निवासी एवं परिवहन संघ के सक्रिय सदस्य उत्तम सिन्हा का निधन हार्ट अटैक से हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम हाहालददी में किया गया। अंतिम संस्कार में ग्राम वासी व रिश्तेदार शामिल रहे।

एसआईआर पर कांग्रेस हुई सक्रिय, जमीनी कार्यकर्ताओं को तैयारी करने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

एसआईआर को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अब सक्रिय हुई है। पार्टी के कार्यकर्ताओं को एसआईआर के बारे में जानकारी देने के साथ ही इस पूरे प्रक्रिया पर बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की चल रही है तैयारी। एक प्रेस बयान में जिला कांग्रेस कमेटी के नितिन पोटाई ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण या एसआईआर की प्रक्रिया चालू है। एसआईआर की प्रक्रिया को इतना जटिल बनाया गया कि आम नागरिकों को काफी मुश्किलों का सामना कर पड़ रहा है। इसी संदर्भ में धनेलीकन्हार मंडल में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के नितिन पोटाई ने एसआईआर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस अवसर पर मतदाताओं को क्या क्या दस्तावेज जिला चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने जोर देते हुए बताया कि नए मतदाताओं के लिए काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है और इसके साथ ही भिन्न राज्यों में रोजगार के तलाश में पलायन करने वाले गरीब आदिवासी, मजदूरों को भी एसआईआर से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर से जनता के साथ होने वाले परेशानियों को दूर करने का काम कांग्रेसियों को ही करना होगा, क्योंकि भाजपा का मकसद तो गरीबों,आदिवासियों,दलितों के अधिकार से उन्हें वंचित करना है।

एसआईआर के विषय पर दी जानकारी

कार्यकर्ताओं से अपील

भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा और संघी लोग देश की अनेकता में एकता की परंपरा को ही नष्ट करने में जुटी हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से युद्धस्तर पर एसआईआर की प्रक्रिया के गड़बड़ी को रोकने के लिए मैदान में जुट जाने का आव्हान किया। बैठक में देवेंद्र, जिला पंचायत सदस्या मृदुला भास्कर, दुर्गुण नेताम, बसंत साहू, झमित कडियाम, समधीर नरेटी, नंद कुमार विश्वकर्मा, पंचराम सलाम सहित कांग्रेसी मौजूद रहे।

विधायक सावित्री मंडावी ने समाजिक एकता और परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई, पदयात्रा निकाली एवं मुख्यमंत्री के नाम पर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चारामा

आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सर्व आदिवासी समाज के द्वारा धुमधाम से मनाया गया। सर्व आदिवासी समाज के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की पुजा अर्चना कर सभी पदाधिकारी और समाज के जन रामप्रसाद पोटाई चौक पहुँचे और स्व. राम प्रसाद पोटाई के प्रतिमा की पुजा अर्चना कर माल्यापर्णन किया और भगवान बिरसा मुंडा चौक पहुँचकर उनकी प्रतिमा की पुजा अर्चना कर जयंती मनाई गई।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सावित्री मंडावी सहित अन्य सभी अतिथि द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा देश और समाज के लिए दिए गए बलिदान को हमेशा याद रखते हुए समाज को एकजुट रहकर समाज की परम्परा को बनाए रखने की बात कही। सम्बोधन के बाद सभी लोग भगवान बिरसा मुंडा चौक से पद यात्रा निकालते हुए तहसील कार्यालय तक पहुँचे और समाज के द्वारा संभाग स्तर पर 28 और स्थानीय स्तर पर 03 प्रमुख मोंगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। समाज के द्वारा मांग किसी भी केन्द्र और राज्य सरकार के कानून एवं कैबिनेट के निर्णय को बस्तर में लागू करने से पहले जनजातीय सलाहकार परिषद में जॉच कराकर पॉचवी अनूसूची के प्रावधान अनुसार ही लागू किया जाए, जिला स्वशाससी परिषद का गठन जिला स्तर पर किया जाए, भू हस्तातरण विनियम 1970 कानून छग में भी लागू किया जाए, भू माफिया नियत्रण अधिनियम बनाया जाए, अनुसूचित क्षेत्र के लिए जनजातीय उप योजना के लिए विशेष कानुन बनाया जाए, पेसा कानून नियम का नोडल विभाग पंचायत विभाग के जगह आदिवासी विकास विभाग को बनाया जाए, तेन्दुपत्ता और बॉस की बिकी, गौण खनिज की बिकी का अधिकार ग्राम समा को दिया जाए, सलवा जुडुम से विस्थापित लोगो के लिए सुरक्षित जगह में कालोनी बसाई जाए जो लोग दुसरे प्रदेश चले गए है और वापस छग आना चाहते हे उन्हें वहाँ लाया जाए, अबूझमा में गैर अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति के जाने पर और बसने पर रोक लगाई जाए, पाँचवी अनुसूची क्षेत्र का विस्तार किया जाए, बस्तर मे संचालित किसी भी शासकीय कपनी का निजीकरण पर रोक लगाई जाए, ऑनलाईन भूमि पंजीयन प्रकिया में ही नामातरण पर रोक लगाई जाए, आदिवासी समुदाय को समान नागरिक संहिता से मुक्त रखा जाये, राज्य के कई विभागो में फर्जी प्रमाण पत्र से नौकरी करने वाले कर्मचारी अधिकारी को तत्काल सेवा से मुक्त किया जाए, समाज की खनन और औधोगिक परियोजना में हिस्सेदारी हो, ग्राम सभा को कार्य एजेंसी के रूप में मान्यता दी जाए, ग्राम सभा के सचिव की जिम्मेदारी ग्राम के ही व्यक्ति को दी जाए, परियोजना से प्रभावित व्यक्ति को अनिवार्य सरकार विभाग या परियोजना में नौकरी दी जाए, अनुसूचित क्षेत्र प्रशासनिक सेवा तथा अनुसूचित क्षेत्र प्रशासनिक सेवा आयोग का गठन किया जाए, टीएसपी की 10 प्रतिशत राशि, जिला खनिज नीधि, सीधे ग्राम सभा के खाते में दी जाए, केन्द्र और राज्य वित आयोग द्वारा अनुसूचित क्षेत्रो को अतिरिक्त सहयोग दी जाए, केम्पा के कार्य ग्राम सभा के माध्यम से कराया जाए, गौण वनोपज का मुआवजा दिया जाए सहित 03 स्थानीय मुद्दे, जिसमें गोंडवाना समाज समन्वय समिति बस्तर संभाग द्वारा प्रशासन को दिए गए ज्ञापन पर तत्काल कार्यवाही की जाए एवं समाज के विभिन्न मोंगो के तहत विधायक निवास घेराव के दौरान समाजिक लोगो पर किए गए एफआईआर प्रकरण को तत्काल खारिज किया जाए की मांग का ज्ञापन सौंपा गया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल हरनगढ़ में बाल दिवस पर आनंद मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजूर

बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के जन्मदिन बाल दिवस के अवसर पर स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल हरनगढ़ में छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य और यादगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर में एक अनोखे आनंद मेले का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने खुद से विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए। स्कूल के इस बाल दिवस समारोह ने न केवल छात्रों को मनोरंजन का अवसर दिया, बल्कि उन्हें टीम वर्क, उद्यमिता और आनंद का महत्वपूर्ण पाठ भी पढ़ाया। आयोजित कार्यक्रम में खास था क्योंकि सभी स्टॉल छात्र-छात्राओं ने आपस में चंदा इकट्ठा करके समूह में लगाए थे। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए गुपचुप, पूरी-भाजी, भेलपुरी, बड़ा, पकौड़ा, ब्रेड-आलू बडा, मोमोज़, जलेबी, गुलाब जामुन, और पाव भाजी जैसे कई लजीज़ व्यंजन तैयार किए। इस पहल को सफल बनाने में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं और प्राचार्य ने भी पूरा सहयोग किया। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए सभी व्यंजनों को अपने पैसों से खरीदकर बच्चों के उत्साह को बढ़ाया। यह कदम छात्रों को आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास का महत्व सिखाने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण था। व्यंजनों का लुत्फ़ उठाने के बाद, दिन को और रोमांचक बनाने के लिए स्कूल परिसर में खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताओं में पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इन खेलों ने बाल दिवस के जश्न को एक नया आयाम दिया और बच्चों को शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया। खेल के बाद सभी विजई प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने में शाला विकास समिति के अध्यक्ष अजय बाछाड़ और उपाध्यक्ष गोपाल ब्रह्मचारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ प्राचार्य कविंद्र सेन और अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे।

बिहार चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर भाजपा मंडल ने मनाया उत्सव

दुर्गुकोंदल। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर पूरे देश में जश्न का माहौल है। इसी खुशी को साझा करते हुए भाजपा मंडल दुर्गुकोंदल के कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष बिदेसिह कल्लो एवं मंडल महामंत्री रामचंद्र कल्लो के नेतृत्व में दुर्गुकोंदल बस स्टैंड पर विजय उत्सव मनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर पटाखे फोड़े, मिठाइयाँ बाँटी और मोदी है तो मुमकिन है, विकास की जीत हुई है जैसे नारों से पूरे क्षेत्र का माहौल जोश से भर दिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन, विकास और पारदर्शी नेतृत्व की जीत है, जिसने देशभर में भाजपा के प्रति जनता के विश्वास को और मजबूत किया है। मंडल महामंत्री रामचंद्र कल्लो ने कहा कि बिहार की यह जीत केवल एक प्रदेश की नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास और जनकल्याण की जीत है। जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के संकल्प पर मुहर लगाई है। यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और संगठन की एकजुटता का परिणाम है। देश की जनता ने फिर यह साबित कर दिया कि जो विकास करेगा, वही शासन करेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बिदेसिह कल्लो ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि एनडीए की यह जीत केंद्र सरकार की जनहितैषी नीतियों और गरीब कल्याण योजनाओं की स्वीकारोक्ति है। भाजपा हमेशा जनता के विश्वास पर खरी उतरी है और भविष्य में भी जनता की अपेक्षाओं को पूरा करती रहेगी। विजय उत्सव के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपसी एकता और संगठन की मजबूती का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और देश में विकास, सुशासन तथा जनकल्याण की निरंतरता के लिए संकल्प लिया। इस मौके पर दीपक पुड़ो, अशोक जैन, विजय पटेल, विकास राजू नायक, सजय उयके, तुलसी मातलामी, अमित कोमरा, सिया गावड़े, मानसिंह गावड़े, लोकनाथ कोमरा, बहादुर तुलावी सहित भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हाई स्कूल आमागढ़ के विद्यार्थियों ने राजधानी का किया शैक्षणिक भ्रमण

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल आमागढ़ के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत राजधानी रायपुर का भ्रमण किया गया। संस्था के प्रभारी प्राचार्य उदेराम भूआर्य ने बताया कि शाला में अध्ययनरत अधिकांश विद्यार्थी आज तक कभी भी ट्रेन से सफर नहीं किए थे, जिसे ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियो के मंशा अनुरूप उन्हें प्रथम बार ट्रेन के सफर का सुखद अनुभव कराया गया। भ्रमण की शुरुआत सर्वप्रथम भानुप्रतापपुर रेल्वे स्टेशन से हुई, जहां से ट्रेन के माध्यम से सभी राजधानी रायपुर पहुंचे एवं सर्वप्रथम राजधानी रायपुर के रेल्वे स्टेशन का भ्रमण किया। रेल्वे स्टेशन भ्रमण के पश्चात विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ विज्ञान केंद्र का भ्रमण कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विज्ञान के नियमों पर आधारित मजेदार खेल व ज्ञानवर्धक जानकारियां प्राप्त हुई एवं बारीकी से विज्ञान के नियमों को समझने का अवसर मिला। उसके बाद उन्हें स्वामी विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का भ्रमण कराया गयाद्ध पहली बार हवाई अड्डा देखना बच्चों के लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। हवाई अड्डे के उपरांत विद्यार्थियों को परसदा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भ्रमण कराया गया, जिसको देखने के लिए विद्यार्थी बेहद व्याकुल व उत्सुक नजर आ रहे थे। स्टेडियम के भ्रमण उपरांत विद्यार्थियों को नवनिर्मित आदिवासी संग्रहालय ले जाया गया, जहां उन्होंने आदिवासी संस्कृति के संबंध में बनाए गए विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारियां प्राप्त की। भ्रमण के अंत में उन्हें छत्तीसगढ़ की विभिन्न सभ्यता व संस्कृतियों पर आधारित पुरखौती मुक्तांगन का भ्रमण कराया गया, जिसके पश्चात शैक्षणिक भ्रमण का यह यात्रा पूर्ण हुई। इस शैक्षणिक भ्रमण में कुल 44 विद्यार्थी एवं 2 पालक समिति के सदस्य एवं 6 शिक्षक शामिल रहे। संपूर्ण भ्रमण के पश्चात विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने बताया कि यह शैक्षणिक भ्रमण उनके लिए बहुत आनंदमय एवं ज्ञानवर्धक रहा। शैक्षणिक भ्रमण को सफलतापूर्वक पूर्ण कराने में शाला के व्याख्याता सबल सिंह दीवान, विनोद कुमार साहू, बृजेश कुमार साहू, शिक्षक अनिल कुमार वर्मा एवं सहायक शिक्षक भुनेश कुमार उसेंडी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चिरायु योजना से हृदय रोग का सफल इलाज, 3 बच्चों को मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोदल

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित चिरायु योजना सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए सचमुच संजीवनी साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत गंभीर बीमारियों, विशेषकर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उनका निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्गुकोंदल क्षेत्र के तीन बच्चों काव्या सलाम, शिवम दरो और निधिका कोवाची को नया जीवन मिला है। चिरायु टीम द्वारा की जा रही नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान इन तीनों बच्चों में हृदय रोग हार्ट की बीमारी के लक्षण चिन्हांकित किए गए थे। काव्या सलाम उम्र 1 वर्ष 8 माह, आंगनवाड़ी महेन्द्रपुर की लाभार्थी हैं। इसी प्रकार शिवम दरो उम्र 6 वर्ष, शासकीय प्राशा आमाकड़ा के छात्र तथा निधिका कोवाची 8 वर्ष शासकीय प्राथमिक विद्यालय भूरके की छात्रा हैं। जांच में बीमारी की पुष्टि होने के बाद तीनों को रायपुर रेफर किया गया, जहां स्वास्थ्य विभाग की पहल पर एक निजी अस्पताल में इनका पूरी तरह से निःशुल्क उपचार कराया गया।

उपचार के बाद तीनों बच्चे अब पूरी तरह स्वस्थ हैं, जो चिरायु योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है। बच्चों के परिजनों ने उपचार के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यदि यह योजना नहीं होती, तो इतने महंगे उपचार कराना उनके लिए संभव नहीं था। उन्होंने कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षिरसागर के दिशा-निर्देशों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामचंद्र ठाकुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रोहित कुमार वर्मा, जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुनील सोनी, जिला सलाहकार डॉ. विनोद वैध तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गुकोंदल के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज किशोरे के मार्गदर्शन का उल्लेख किया। इसके साथ ही चिरायु टीम के डॉ. मुकेश साहू, डॉ. विकास मिश्रा, डॉ. नंदिनी साहू, डॉ. गीता सिदार तथा अन्य सदस्यों जयप्रकाश ध्रुव, लीलाधर और बिंदा तुमरेटी के प्रयासों की भी सराहना की गई। परिजनों का कहना है कि यह योजना विशेष रूप से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जीवनदायिनी बन चुकी है, क्योंकि यह बच्चों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्रामीणों को दिलाई नशा न करने की शपथ

जगदलपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करीतगांव ब्लाक बकावंड के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत उलनार के पंचायत भवन में किया। कैंप के उदघाटन में निर्मला कश्यप जनपद सदस्य मधुसूदन नेताम, सरपंच बालिता कश्यप, उप सरपंच एवं अनेक पंच उपस्थित थे। प्रारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं स्वामी विवेकानंद की पूजन से किया गया। स्वामी विवेकानंद के वचनों को बताया गया एवं सरस्वती वंदना के गीत गाए गए। प्रथम दिवस में वालंटियर्स को उनके दिनचर्या एवं बौद्धिक परिचर्चा नशा मुक्त भारत पर की गई। व्याख्यान राजेंद्र कलिहारी ने दिया।

परिवार को एकता के सूत्र में बांधने के लिए माताओं को सुदृढ होना होगा : नलिनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की योजना के अनुसार सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता शिक्षाविद नलिनी बाजपेयी रहीं। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय परिवार की दीदीयों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रस्तावना प्रियंका सिंह चौहान ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता नलिनी बाजपेयी ने नारी सम्मान पर जोर देते हुए कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवत्व का वास होता है। उन्होंने श्रीमद् भगवद्गीता के दसवें अध्याय में बताए गए नारी के सप्त गुण श्री, कीर्ति, वाक, स्मृति, मेधा, धृति व क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि वैदिक काल से नारी का स्थान उच्च रहा है। उन्होंने माताओं से आग्रह किया कि परिवार को संस्कारित एवं संगठित रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। छोटे-छोटे संस्कार बच्चों को उज्ज्वल भविष्य देते हैं। नारी की सहनशीलता और शक्ति समाज को दिशा देने में सक्षम है। कार्यक्रम की संयोजिका सुनीता साहू ने पंच परिवर्तन कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज की सुख-समृद्धि स्वच्छ पर्यावरण, ऊर्जा संरक्षण और बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास पर निर्भर करती है। कार्यक्रम के संचालन व सहयोग में आचार्य शकुंतला सिंह, रश्मि साहू, भावना सिन्हा सहित अन्य दीदीयों का योगदान रहा। अंत में सभी माताओं ने परिवार व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर सर्वे भवन्तु सुखिनः के सामूहिक उच्चारण के साथ कार्यक्रम संपन्न किया।

माताएं परिवार की आत्मा

अध्यक्षीय उद्बोधन में दीप्ति ठाकुर ने कहा कि सप्त शक्ति संगम महिलाओं को संगठित कर आत्मबोध, स्वास्थ्य, अधिकार और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि माताएं परिवार की आत्मा होती हैं और संस्कारयुक्त पीढ़ी निर्माण में उनकी भूमिका सर्वोपरि है। इसके बाद माताओं के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने पर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय की छात्राओं ईशा यादव, रेणू मंडावी, वर्तिका यादव और प्रतिभा सलाम ने रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई, दुर्गावती और मीराबाई की जीवंत झांकियां प्रस्तुत कर नारी शक्ति का संदेश दिया। समाज में विशिष्ट योगदान देने वाली माताएं निर्मला ठाकुर, धनेश्वरी साहू और मिलापा यादव का साल-श्रीफल से सम्मान किया गया। शारदा चंद्रवंशी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिशु मंदिर बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने वाला उत्कृष्ट विद्यालय है।